Class 10 Hindi Kshitij Chapter 7: नेताजी का चश्मा (Netaji Ka Chashma) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Netaji Ka Chashma Class 10 notes (नेताजी का चश्मा) CBSE कक्षा 10 हिंदी क्षितिज भाग 2 के सातवें पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: लेखक परिचय, घटना-क्रम के अनुसार सारांश, पात्रों का चरित्र, प्रतीकार्थ, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- पात्र और उनकी विशेषताएँ
- प्रतीक और उनके अर्थ
- घटना-क्रम (Sequence of Events)
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

स्वयं प्रकाश (1947–2019) का जन्म इंदौर (मध्य प्रदेश) में हुआ। वे प्रसिद्ध कहानीकार थे। प्रमुख कहानी-संग्रह: मात्रा और भार, सूरज कब निकलेगा, आएँगे अच्छे दिन भी, आदमी जात का आदमी; उपन्यास: बीच में विनय, ईंधन। उन्हें पहल सम्मान और वनमाली पुरस्कार जैसे सम्मान मिले।

'नेताजी का चश्मा' कहानी एक छोटे कस्बे में लगी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति और उस पर बार-बार बदलते चश्मे के माध्यम से आम लोगों की देशभक्ति को दिखाती है। कहानी बताती है कि देश-निर्माण में केवल बड़े लोग नहीं, कैप्टन चश्मेवाले जैसे साधारण लोग और बच्चे भी अपना योगदान देते हैं।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

कस्बा और नेताजी की मूर्ति

- हालदार साहब कंपनी के काम से हर पंद्रहवें दिन एक छोटे कस्बे से गुज़रते थे।
- कस्बे के चौराहे पर नगरपालिका ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की संगमरमर की मूर्ति लगवाई थी।
- मूर्ति कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी ने एक महीने में बनाई थी।
- मूर्ति सुंदर थी, पर उसकी आँखों पर संगमरमर का चश्मा नहीं था; उसकी जगह असली चश्मा लगा दिया गया था।

बदलता चश्मा और कैप्टन

- हालदार साहब ने देखा कि हर बार मूर्ति का चश्मा बदला होता है।
- पानवाले ने बताया कि यह काम कैप्टन चश्मेवाला करता है।
- कैप्टन एक बूढ़ा, मरियल-सा, लंगड़ा आदमी था जो एक संदूकची और बाँस पर चश्मों के फ्रेम लटकाकर बेचता था।
- जब किसी ग्राहक को मूर्ति वाला फ्रेम चाहिए होता, तो वह उसे उतारकर बेच देता और मूर्ति पर दूसरा लगा देता, ताकि नेताजी बिना चश्मे के न रहें।
- पानवाला उसे "पागल" कहकर मज़ाक उड़ाता था, जिससे हालदार साहब को दुख हुआ।

कैप्टन की मृत्यु और हालदार साहब का दुख

- दो साल बाद हालदार साहब ने देखा कि मूर्ति पर चश्मा नहीं है।
- पानवाले ने उदास होकर बताया कि कैप्टन मर गया।
- हालदार साहब बहुत दुखी हुए और सोचने लगे कि उस कौम का क्या होगा जो देश के लिए सब कुछ न्योछावर करने वालों पर हँसती है।
- उन्होंने तय किया कि अब वे चौराहे पर नहीं रुकेंगे और मूर्ति की ओर नहीं देखेंगे।

सरकंडे का चश्मा: भावुक अंत

- अगली बार आदतवश उनकी नज़र मूर्ति पर पड़ी तो उन्होंने देखा कि मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा है।
- यह चश्मा किसी बच्चे ने बनाया था।
- यह देखकर हालदार साहब की आँखें भर आईं; उन्हें विश्वास हुआ कि नई पीढ़ी में भी देशभक्ति जीवित है।

पात्र और उनकी विशेषताएँ

चरित्र-चित्रण प्रश्नों के लिए।

पात्र	विशेषताएँ
हालदार साहब	संवेदनशील, देशभक्त, विचारशील, भावुक
कैप्टन चश्मेवाला	गरीब पर देशभक्त, नेताजी का सम्मान करने वाला, निस्वार्थ
पानवाला	मज़ाकिया, मोटा, बातूनी, पर अंदर से संवेदनशील
मोतीलाल (ड्राइंग मास्टर)	मूर्तिकार, सीमित साधनों में मूर्ति बनाने वाले
बच्चे	देशभक्ति की नई पीढ़ी; सरकंडे का चश्मा बनाया

प्रतीक और उनके अर्थ

प्रतीकार्थ प्रश्नों के लिए।

प्रतीक	अर्थ
नेताजी की मूर्ति	देशभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम का सम्मान
चश्मा	देशभक्ति की भावना, सम्मान
कैप्टन	आम नागरिक की देशभक्ति
सरकंडे का चश्मा	नई पीढ़ी में जीवित देशभक्ति

घटना-क्रम (Sequence of Events)

क्रम	घटना
1	हालदार साहब का हर पंद्रह दिन कस्बे से गुज़रना
2	नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा देखना

3	बार-बार चश्मा बदलने का रहस्य: कैप्टन
4	पानवाले द्वारा कैप्टन का मज़ाक
5	कैप्टन की मृत्यु; मूर्ति बिना चश्मे के
6	सरकंडे का चश्मा देखकर हालदार साहब का भावुक होना

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
कस्बा	छोटा शहर
चौराहा	चार रास्तों का मिलन स्थान
लागत	खर्च
कमसिन	कम उम्र का
सराहनीय	प्रशंसा योग्य
कौतुक	आश्चर्य
दुर्दमनीय	जिसे दबाना कठिन हो
खुशमिज़ाज	प्रसन्न स्वभाव वाला
ओरिजिनल	असली
मरियल	कमज़ोर
गिराक	ग्राहक
रीढ़	पीठ की हड्डी
प्रफुल्लित	प्रसन्न
सरकंडा	एक प्रकार की घास का डंठल
पारदर्शी	आर-पार दिखने वाला

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

उत्तर: चश्मेवाला नेताजी के प्रति गहरा सम्मान रखता था और मूर्ति को बिना चश्मे के नहीं रहने देता था। उसकी इस देशभक्ति के कारण लोग उसे सम्मान या व्यंग्य से कैप्टन कहते थे।

प्रश्न 2. हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था, लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा – क्यों?

उत्तर: कैप्टन की मृत्यु के बाद उन्हें लगा कि मूर्ति बिना चश्मे के होगी, इसलिए वे वहाँ रुकना नहीं चाहते थे। पर मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा देखकर वे भावुक हो गए और गाड़ी रुकवाई।

प्रश्न 3. मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

उत्तर: यह उम्मीद जगाता है कि नई पीढ़ी के बच्चों में भी देशभक्ति की भावना जीवित है और देश के लिए कुछ करने का भाव बना रहेगा।

प्रश्न 4. हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुककर नेताजी को क्यों निहारते थे?

उत्तर: उन्हें नेताजी की मूर्ति पर बदलते चश्मे में आम लोगों की देशभक्ति दिखती थी, इसलिए वे रुककर मूर्ति को देखते और कैप्टन की भावना की सराहना करते थे।

प्रश्न 5. पानवाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: पानवाला काला, मोटा और खुशमिज़ाज था। उसकी तोंद निकली थी, मुँह में पान भरा रहता था और वह बात-बात पर हँसता था। वह कैप्टन का मज़ाक उड़ाता था, पर उसकी मृत्यु पर उदास भी हुआ।

प्रश्न 6. कस्बों, शहरों, महानगरों के चौराहों पर किसी न किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन-सा हो गया है। इस तरह की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य हो सकते हैं?

उत्तर: इनका उद्देश्य महान व्यक्तियों को सम्मान देना, लोगों को उनके कार्यों की याद दिलाना और नई पीढ़ी को देशभक्ति व प्रेरणा देना होता है।

प्रश्न 7. मूर्ति बनाने का काम किसे सौंपा गया और क्यों?

उत्तर: मूर्ति बनाने का काम स्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी को सौंपा गया, क्योंकि नगरपालिका के पास बजट कम था और वे स्थानीय कलाकार थे जिन्होंने एक महीने में मूर्ति बनाने का भरोसा दिलाया।

प्रश्न 8. कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा क्यों बदल देता था?

उत्तर: जब किसी ग्राहक को मूर्ति पर लगा फ्रेम चाहिए होता, तो वह उसे बेच देता और नेताजी को बिना चश्मे के न रहने देने के लिए तुरंत दूसरा फ्रेम लगा देता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'नेताजी का चश्मा' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

- कहानी आम लोगों की देशभक्ति को सामने लाती है।
- कैप्टन जैसे गरीब व्यक्ति के छोटे योगदान का सम्मान करती है।
- देशभक्तों का मज़ाक उड़ाने वाली मानसिकता पर व्यंग्य करती है।
- सरकंडे के चश्मे के माध्यम से नई पीढ़ी में देशभक्ति की आशा जगाती है।
- संदेश है कि देश-निर्माण में हर नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 2. हालदार साहब के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

- संवेदनशील: कैप्टन की भावना को समझते हैं।
- देशभक्त: नेताजी की मूर्ति का सम्मान करते हैं।
- विचारशील: देशभक्तों पर हँसने वाली कौम के भविष्य की चिंता करते हैं।
- भावुक: सरकंडे का चश्मा देखकर उनकी आँखें भर आती हैं।
- जिज्ञासु: बदलते चश्मे का रहस्य जानना चाहते हैं।

प्रश्न 3. कैप्टन की देशभक्ति और पानवाले के व्यवहार की तुलना कीजिए।

- कैप्टन गरीब और कमज़ोर होते हुए भी नेताजी का सम्मान करता था।
- वह मूर्ति को कभी बिना चश्मे के नहीं रहने देता था – यह उसकी निस्वार्थ देशभक्ति थी।
- पानवाला उसकी भावना को न समझकर उसे पागल कहता था।
- पर कैप्टन की मृत्यु पर पानवाला भी दुखी हुआ, जो उसकी भीतर छिपी संवेदना दिखाता है।
- तुलना बताती है कि देशभक्ति का मूल्य हर किसी को समझना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'नेताजी का चश्मा' के लेखक हैं

(क) यशपाल (ख) स्वयं प्रकाश (ग) मन्नू भंडारी (घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर: (ख) स्वयं प्रकाश

2. हालदार साहब कितने दिनों में कस्बे से गुज़रते थे?

(क) सात (ख) दस (ग) पंद्रह (घ) तीस

उत्तर: (ग) पंद्रह

3. मूर्ति किस पत्थर की बनी थी?

(क) ग्रेनाइट (ख) संगमरमर (ग) बलुआ पत्थर (घ) लाल पत्थर

उत्तर: (ख) संगमरमर

4. मूर्ति किसने बनाई थी?

(क) कैप्टन (ख) मोतीलाल (ड्राइंग मास्टर) (ग) पानवाला (घ) हालदार साहब

उत्तर: (ख) मोतीलाल (ड्राइंग मास्टर)

5. मूर्ति का चश्मा कौन बदलता था?

(क) पानवाला (ख) कैप्टन चश्मेवाला (ग) बच्चे (घ) नगरपालिका

उत्तर: (ख) कैप्टन चश्मेवाला

6. पानवाला कैप्टन को क्या कहता था?

(क) वीर (ख) पागल (ग) सेठ (घ) मास्टर

उत्तर: (ख) पागल

7. कैप्टन की मृत्यु के बाद मूर्ति पर कैसा चश्मा था?

(क) सोने का (ख) सरकंडे का (ग) प्लास्टिक का (घ) कोई नहीं

उत्तर: (ख) सरकंडे का

8. मूर्ति किसकी थी?

(क) गांधीजी (ख) सुभाषचंद्र बोस (ग) भगत सिंह (घ) नेहरू

उत्तर: (ख) सुभाषचंद्र बोस

9. मूर्ति बनाने में कितना समय लगा?

(क) एक सप्ताह (ख) एक महीना (ग) एक वर्ष (घ) छह महीने

उत्तर: (ख) एक महीना

10. कहानी का मुख्य भाव क्या है?

(क) हास्य (ख) आम लोगों की देशभक्ति (ग) प्रकृति प्रेम (घ) शिक्षा

उत्तर: (ख) आम लोगों की देशभक्ति

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: स्वयं प्रकाश (1947–2019), इंदौर।
- हालदार साहब हर 15 दिन कस्बे से गुज़रते थे।
- नेताजी सुभाषचंद्र बोस की संगमरमर की मूर्ति; ड्राइंग मास्टर मोतीलाल, एक महीने में।
- मूर्ति पर असली चश्मा; कैप्टन चश्मेवाला बदलता।
- पानवाला कैप्टन को पागल कहता था।
- कैप्टन की मृत्यु; फिर सरकंडे का चश्मा (बच्चों द्वारा)।
- संदेश: आम लोगों और नई पीढ़ी की देशभक्ति।

सारांश (Summary)

'नेताजी का चश्मा' में हालदार साहब कस्बे के चौराहे पर लगी नेताजी की मूर्ति पर हर बार बदलते चश्मे को देखते हैं। पता चलता है कि गरीब कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति को कभी बिना चश्मे के नहीं रहने देता। पानवाला उसका मज़ाक उड़ाता है।

कैप्टन की मृत्यु के बाद हालदार साहब दुखी होते हैं, पर बाद में मूर्ति पर बच्चों द्वारा बनाया सरकंडे का चश्मा देखकर भावुक हो जाते हैं। कहानी साधारण लोगों की देशभक्ति और नई पीढ़ी पर भरोसे का संदेश देती है।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- कैप्टन, हालदार साहब और पानवाले के चरित्र पर प्रश्न अक्सर आते हैं।
- सरकंडे के चश्मे का प्रतीकार्थ ज़रूर लिखें।
- घटना-क्रम तालिका से सारांश लिखना आसान होगा।
- "उस कौम का क्या होगा..." वाले भाव पर विचार लिखने का अभ्यास करें।
- उत्तर में पात्रों के नाम सही लिखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

आम नागरिकों की देशभक्ति का सम्मान करना और नई पीढ़ी में देशभक्ति की आशा।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी A की पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

नेताजी का चश्मा बताता है कि सच्ची देशभक्ति छोटे-छोटे कामों में भी दिखती है। घटना-क्रम, पात्र तालिका और प्रतीकार्थ दोहराकर इस पाठ के सभी प्रश्नों के लिए तैयार रहें।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Kshitij Chapter 6: संगतकार notes | Class 10 Hindi Kshitij Chapter 8: बालगोबिन भगत notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi A) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।